केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

10 अप्रैल 2026
शुक्रवार

शादी का झांसा दे लूटने वाले नकली दुल्हन गैंग का पदार्फाश, 9 गिरफ्तार, एसपी ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

2

एक नजर

भूस्खलन से सिक्किम में सैकड़ों सैलानी फंसे

लाचेन। उत्तर सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क भूस्खलन के कारण बाधित हो जाने से सैकड़ों पर्यटक फंस गए हैं। खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बीच स्थिति गंभीर होते देख भारतीय सेना ने राहत और बचाव के लिए ह्यऑपरेशन हिम सेतुह्ल शुरू किया है। लाचेन क्षेत्र में अभी भी करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं। अब तक 1321 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। ना की त्रिशक्ति कोर, जो पूर्वी सेना मुख्यालय के तहत कार्य करती है, ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित इलाके में पहुंचकर राहत अभियान तेज कर दिया है। कठिन पहाड़ी हालात और लगातार बर्फबारी के बावजूद जवानों ने महत्वपूर्ण दर्रों को खोलने और वैकल्पिक रास्तों को सक्रिय करने में सफलता पाई है, जिससे फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का रास्ता तैयार हो सका है। सेना ने बीआरओ के साथ मिलकर लगातार सड़क से मलबा हटाने, बर्फ साफ करने और संपर्क बहाल करने में जुटी है दुर्गम पहाड़ी इलाकों में यह काम बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन राहत दल लगातार प्रयास कर रहे हैं। बचाव कार्य चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है।

कपड़ा प्रेस करने वाले को इनकम टैक्स का 598 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली। अजमेर में एक धोबी को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने नोटिस जारी किया है। नोटिस में उससे 598 करोड़ से ज्यादा के बैंक लेन-देन के बारे में सफाई मांगी गई है। जिसमें बड़े पैमाने पर हीरे की खरीद-बिक्री का आरोप लगाया गया है। रामगंज इलाके में कपड़े धोकर और प्रेस करके अपना गुजारा करने वाले जितेंद्र कुमार ने बताया कि हाल ही में भेजे गए नोटिस में जिस बैंक खाते का जिक्र है। वह उनका नहीं है। कुमार ने बताया कि दो साल पहले पाली में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान उसका पैन कार्ड खो गया था। इसके साथ ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने उस प्राइवेट बैंक के मैनेजर को भी नोटिस जारी किया है। जिस खाते से करोड़ों के हीरे खरीदे और बेचे गए है।

ऑपरेशन हिम सेतु: भूस्खलन से सिक्किम में सैकड़ों सैलानी फंसे

- **सेना ने संभाला मोर्चा, 1321 पर्यटक रेस्क्यू**

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तर सिक्किम में लाचेन और चुंगथांग के बीच सड़क संपर्क भूस्खलन के कारण बाधित हो जाने से सैकड़ों पर्यटक फंस गए हैं। खराब मौसम और भारी बर्फबारी के बीच स्थिति गंभीर होते देख भारतीय सेना ने राहत और बचाव के लिए ह्यऑपरेशन हिम सेतुह्ल शुरू किया है। लाचेन क्षेत्र में अभी भी करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं। अब तक 1321 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।सेना की त्रिशक्ति कोर, जो पूर्वी सेना मुख्यालय के तहत कार्य करती है, ने त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रभावित इलाके में पहुंचकर राहत अभियान तेज कर दिया है। कठिन पहाड़ी हालात और लगातार बर्फबारी के बावजूद जवानों ने महत्वपूर्ण दर्रों को खोलने और वैकल्पिक रास्तों को सक्रिय करने में सफलता पाई है, जिससे फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने का रास्ता तैयार हो सका है। सेना ने बीआरओ के साथ मिलकर लगातार सड़क से मलबा हटाने, बर्फ साफ करने और संपर्क बहाल करने में जुटी है। दुर्गम पहाड़ी इलाकों में यह काम बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, लेकिन राहत दल लगातार प्रयास कर रहे हैं।

मेडिकल और प्रशासनिक मदद

सेना स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर सहायता, चिकित्सा सुविधाएं और अन्य जरूरी सेवाएं उपलब्ध करा रही है। प्राथमिकता गंभीर रूप से बीमार, बुजुर्ग और महिलाओं को दी जा रही है। मौसम में सुधार के साथ ही सैलानियों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान लगातार जारी है।

नागरिकों की सुरक्षा सेना का लक्ष्य

सेना के एक अधिकारी ने बताया कि नागरिकों की सुरक्षा और कुशलक्षेम सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि जमीनी टीमें पूरी प्रतिबद्धता के साथ राहत कार्य में लगी हुई हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भारी बर्फबारी और खराब मौसम के बीच चल रहा ऑपरेशन हिम सेतु उत्तर-पूर्व के इस दुर्गम इलाके में सेना की तत्परता और मानवीय प्रयासों का एक बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है।

डॉक्टर से 12 करोड़ रुपये से अधिक की ऑनलाइन ठगी

एजेंसी। पुणे

महाराष्ट्र के पुणे में एक 75 वर्षीय डॉक्टर से शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 12 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि जालसाजों ने उन्हें झांसा देकर और दबाव बनाकर 12.31 करोड़ रुपये की रकम ठग ली। पुलिस के अनुसार, पीड़ित को जनवरी के अंतिम सप्ताह में एक अज्ञात नंबर से संदेश मिला, जिसमें निवेश के लिए सुझाए गए शेयरों की सूची और एक लिंक भेजा गया था। लिंक पर क्लिक करने के बाद डॉक्टर को एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया, जहां ग्रुप के एडमिन ने खुद को एक वैश्विक वित्तीय प्रबंधन कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी बताया। इनमें से एक व्यक्ति ने खुद को शेयर बाजार विशेषज्ञ और लेखक भी बताया। जांच में सामने आया कि इस ग्रुप का इस्तेमाल भरोसा बनाने के लिए किया जा रहा था। इसमें शामिल अन्य सदस्य निवेश से भारी मुनाफे की बात कह रहे थे। पुलिस ने बताया, 'डॉक्टर की रुचि दिखाने के बाद उन्हें एक फर्जी ट्रेडिंग एप पर भेजा गया, जिसका नाम एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कंपनी से मिलता-जुलता था।

केरल चुनाव में नई पहल, बच्चों और महिलाओं के लिए खास ग्रीन पोलिंग

असम, केरल और पुदुचेरी में बंपर वोटिंग

- **पुडुचेरी में सबसे ज्यादा 89.83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया**
- **असम में 85.46 प्रतिशत वोटिंग, केरल में 78.09 प्रतिशत मतदान दर्ज की गई**

एजेंसी। नई दिल्ली

असम और केरल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में गुरूवार को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुऔं। दोनों राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में एक ही चरण में मतदान कराए जा रहे हैं। असम में 126, केरल की 140 और पुदुचेरी की 30 विधानसभा सीटों पर वोटिंग हो रही है। विधानसभा चुनाव 2026 के तहत तीन राज्यों में मतदान के आंकड़े सामने आ गए हैं। पुडुचेरी में सबसे ज्यादा 89.83 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो मतदाताओं के उत्साह को दिखाता है। वहीं असम में 85.46 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जबकि केरल में 78.09 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। त्रिपुरा के धर्मनगर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए मतदान गुरुवार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। शाम 5 बजे तक करीब 79.84 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। खराब मौसम के बावजूद मतदाताओं में उत्साह देखने को मिला और लोग बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे। सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ, जहां सभी 55 बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया गया। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, कुल 46,142 मतदाता छह उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई थी और ईवीएम के साथ वीवीपैट मशीनों का इस्तेमाल हुआ। यह उपचुनाव भाजपा के विधायक और विधानसभा अध्यक्ष बिश्व बंधु सेन के निधन के बाद कराया गया है। मतदान के दौरान मतदाता लंबी कतारों में नजर आए और बिना किसी व्यवधान के अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

असम में रिकॉर्ड मतदान, 84.42 प्रतिशत वोटिंग

असम विधानसभा चुनाव में गुरुवार को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। शाम 5 बजे तक करीब 84.42 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई, जो 2021 के 82.04 प्रतिशत से ज्यादा है। इस बार मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राज्य के 35 जिलों में सुबह सात बजे से मतदान शुरू हुआ था, जो शाम तक चला। इस चुनाव में कुल 126 सीटों पर मतदान हुआ, जहां 722 उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए लगातार तीसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रहा है, जबकि कांग्रेस एक दशक बाद वापसी के लिए जोर लगा रही है। आंकड़ों के मुताबिक दलगांव में सबसे ज्यादा 94.57 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि अमरी में सबसे कम 70.40 प्रतिशत वोट पड़े। राज्यभर में 31,490 मतदान केंद्र बनाए गए थे, जहां कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान कराया गया।

केरल चुनाव में नई पहल

केरल के एनार्कुलम में चुनाव को और सुविधाजनक बनाने के लिए खास ग्रीन पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। यहां क्रेच सुविधा, बच्चों के लिए खिलौने और आरामदायक वेटिंग एरिया उपलब्ध कराया गया है। इन केंद्रों का संचालन आंगनवाड़ी कार्यकताओं द्वारा किया जा रहा है, जिससे महिलाओं को वोट डालने में आसानी हो सके। इस पहल का मकसद मतदान को ज्यादा सुरक्षित, सहज और परिवार अनुकूल बनाना है।

पीएम की सुरक्षा में सेंध की साजिश, सीआईए से संपर्क कर फंड मांगने का आरोप, बक्सर से युवक गिरफ्तार

- **पहले भी एयरपोर्ट हैक की धमकी में पकड़ा जा चुका आरोपी, लैपटॉप-मोबाइल जब्त, कई संदिग्धों से पूछताछ जारी**

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर जिले के सिमरी थाना क्षेत्र के आशा पड़री गांव से पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर एक बड़े साइबर साजिश का पदार्फाश किया है। आरोपी पर आरोप है कि उसने अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए से संपर्क कर प्रधानमंत्री से जुड़े संवेदनशील मामलों में सेंध लगाने और सुरक्षा को खतरे में डालने के बदले पैसे की मांग की थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने इसे हाई-प्रोफाइल सुरक्षा से जुड़ा मामला मानते हुए गुप्त तरीके से कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के निर्देश पर देर रात छापेमारी कर युवक को हिरासत में लिया गया। फिलहाल उसे एक सुरक्षित स्थान पर रखकर गहन पूछताछ की जा रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी विदेशों में संदिग्ध लोगों के संपर्क में था और गोपनीय जानकारी के बदले मोटी रकम की मांग कर रहा था। शुरूआती जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाने और संभावित हमले से जुड़ी धमकी देकर 22 दिनों के भीतर पैसे की मांग की थी। हालांकि कितनी राशि मांगी गई थी, इस पर पुलिस ने गोपनीयता बरतते हुए खुलासा नहीं किया है।

इस मामले में पुलिस ने केवल एक युवक को ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े अन्य संदिग्धों को भी रडार पर लिया है। एसपी शुभम आर्य ने पुष्टि की है कि तीन लोगों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया है, जिनमें आशा पड़री का अमन तिवारी भी शामिल है।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक लैपटॉप, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। इन डिवाइस की प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई है कि आरोपी और उसके सहयोगी साइबर अपराध की गतिविधियों में लंबे समय से संलिप्त रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संपर्क साधने की कोशिश कर रहे थे।

चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी पहले भी विवादों में रह चुका है। वर्ष 2022 में कोलकाता एयरपोर्ट को हैक करने की धमकी देने के मामले में उसे बक्सर और कोलकाता पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया था।

वहीं, आरोपी की मां का कहना है कि उनका बेटा घर पर खाना खा रहा था, तभी सादे लिबास में कुछ लोग आए और उसे अपने साथ ले गए। परिवार को अभी तक स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचने में जुटी है और इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण
बक्सर
बक्सर, 10 अप्रैल 2026
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

शादी का झांसा दे लूटने वाले नकली दुल्हन गैंग का पदार्फाश, 9 गिरफ्तार, एसपी ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

- **कोर्ट मैरिज से लेकर मंडप तक रची गई साजिश, नकदी और गहने लेकर फरार होती थी दुल्हन, कई राज्यों तक फैला नेटवर्क**

केटी न्यूज/चौसा

शादी जैसे पवित्र रिश्ते को ठगी का जरिया बनाने वाले एक संगठित गिरोह का चौसा पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने नकली दुल्हन समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह के कुछ सदस्य अब भी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 40 हजार रुपये नकद और आभूषण बरामद किए गए हैं। आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसपी शुभम आर्य ने गुरूवार को प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी है। एसपी ने बताया कि यह कोई सामान्य ठगी नहीं, बल्कि पूरी प्लानिंग के साथ रचा गया जाल था, जिसमें नकली रिश्तेदारों की पूरी फैमिली तैयार की जाती थी। दुल्हन, उसकी मां, भाई-बहन से लेकर अन्य रिश्तेदार तक सब किरदार निभाते थे, ताकि पीड़ित परिवार को किसी तरह का शक न हो।

पहले रिश्ता, फिर भरोसा और अंत में वार

एसपी ने बताया कि मामले की शुरूआत तब हुई जब पीड़ित परिवार को शादी के लिए एक लड़की का रिश्ता दिखाया गया। फरीदाबाद में रहने वाली एक महिला ने अपने पड़ोस के जरिए इस ह्यरिश्तेह्न की बात चलाई। इसके बाद फोन पर बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और गिरोह के सदस्यों ने खुद को लड़की के परिजन बताकर विश्वास जीत लिया। गिरोह ने कोर्ट मैरिज और पारंपरिक शादी दोनों कराने का प्रस्ताव रखा। इसके बदले में नकद पैसे और गहनों की मांग की गई। भरोसे में आए परिवार ने सात अप्रैल को बक्सर पहुंचकर एक लॉज में ठहराव किया, जहां रात में दुल्हन से मुलाकात कराई गई।

कोर्ट से घाट तक, हर जगह रचा गया ड्रामा

अगले दिन कोर्ट में कागजी प्रक्रिया पूरी कर शादी का नाटक रचा गया। इसके बाद महादेवा घाट पर पारंपरिक शादी की रस्में भी कराई गईं। इस दौरान दुल्हन पक्ष ने मंगलसूत्र, पायल और अन्य खर्चों के नाम पर लगातार पैसे ऐंठे। पीड़िता रमा देवी के अनुसार, उनके देवर की शादी के नाम पर कुल 40 हजार रुपये नकद और गहने ले लिए गए। शादी पूरी होने के बाद जब परिवार दुल्हन को लेकर स्टेशन जा रहा था, तभी असली खेल सामने आया।

रास्ते में अपहरण का ड्रामा, दुल्हन फरार

एसपी ने बताया कि शादी का नाटक करने के बाद स्टेशन जाते समय कुछ लोग अचानक रास्ते में आए और दुल्हन को जबरन वाहन से उतार लिया। देखते ही देखते उसे बाइक पर बैठाकर फरार कर दिया गया। इस पूरी घटना को ऐसे अंजाम दिया गया, जैसे किसी ने दुल्हन का अपहरण कर लिया हो, ताकि शक और भ्रम की स्थिति बनी रहे। घटना के तुरंत बाद डायल 112 पर सूचना दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से एक आरोपी को दबोच लिया, जिसके बाद पूरे गिरोह का खुलासा होता चला गया।

नकली रिश्तों का जाल, असली पहचान चौंकाने वाली

एसपी ने बताया कि जांच में पता चला कि कथित दुल्हन पहले से शादीशुदा है और उसकी एक 13 वर्षीय बेटी भी है। उसका असली पति भी इस गिरोह का हिस्सा था और रिश्तेदार बनकर शादी में मौजूद रहता था। गिरफ्तार आरोपियों में दुल्हन की नकली मां, भाई, बहन और अन्य सहयोगी शामिल हैं। सभी अलग-अलग थाना क्षेत्रों के निवासी हैं और लंबे समय से इस तरह की ठगी को अंजाम दे रहे थे।

फरार आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस के अनुसार, इस मामले में कुल 12 लोगों को नामजद किया गया था, जिनमें से 9 को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। एसपी का कहना है कि यह गिरोह कई जिलों और संभवतः अन्य राज्यों में भी सक्रिय हो सकता है। मामले की गहराई से जांच की जा रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पदार्फाश किया जा सके।

सावधानी जरूरी

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि शादी जैसे मामलों में पूरी जांच-पड़ताल करें, किसी भी अनजान व्यक्ति या रिश्ते पर तुरंत भरोसा न करें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दे, ताकि समय रहते ठगी से बचा जा सके और ऐसे लोगों को सलाखों के पीछे भेजा जाए।

एक नजर

वायरल वीडियो से खुला मारपीट कांड का नया पहलू, देसी कट्टा लहराने का मामला दर्ज

राजपुर। प्रखंड के हेठुआ पंचायत अंतर्गत नोनौरा गांव में चार अप्रैल को हुई मारपीट की घटना ने अब नया मोड़ ले लिया है। पहले यह मामला सिर्फ नाली विवाद में हुई झड़प तक सीमित था, लेकिन अब वायरल वीडियो सामने आने के बाद इसमें अवैध हथियार लहराने का गंभीर आरोप भी जुड़ गया है।

जानकारी के अनुसार गांव के लड्डू राम और दीपक राम के बीच घर की नाली को लेकर विवाद शुरू हुआ था, जो जल्द ही उग्र झड़प में बदल गया। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडे चलने लगे। इस मारपीट में कुल छह लोग घायल हो गए, जिनमें एक पक्ष की फूलमती देवी समेत तीन लोग और दूसरे पक्ष की श्याम कुमारी, श्यामलाल राम व सविता कुमारी शामिल हैं। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से कुल 12 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी लड्डू राम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इसी बीच बुधवार को घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति के हाथ में दो देसी कट्टे साफ दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए हथियार लहराने के मामले में अलग से प्राथमिकी दर्ज की है। फूलमती देवी के आवेदन पर दीपक राम सहित छह लोगों को आरोपी बनाया गया है।

थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर जांच तेज कर दी गई है और मुख्य आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त भी बढ़ा दी गई है।

दिशा की बैठक में केसठ मुखिया ने उठाई ज्वलंत जन-समस्याएं

बिजली, पानी, शिक्षा, बैंकिंग और सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं पर सौंपा आवेदन

केसठ। प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत जन-समस्याओं को लेकर स्थानीय निवासी एवं मुखिया अरविंद कुमार सिंह उर्फ गामा पहलवान ने दिशा बैठक के अध्यक्ष को आवेदन सौंपते हुए शीघ्र समाधान की मांग की है। आवेदन में क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है।

आवेदन में बताया गया है कि केसठ स्थित पावर ग्रिड सब-स्टेशन की हालत अत्यंत जर्जर हो चुकी है, जिसके कारण हल्की हवा या सामान्य मौसम परिवर्तन में भी बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। साथ ही, क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर ह्यगढ़ह्न पर बढ़ते अतिक्रमण को हटाकर उसके संरक्षण की मांग भी की गई है।

पेयजल व्यवस्था भी पूरी तरह चरमराई हुई है। जगह-जगह पाइपलाइन फटने से लोगों को दूषित पानी पीना पड़ रहा है, जिससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में बंदरों के बढ़ते आतंक से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया है।

मुखिया ने भूमिहीन गरीब परिवारों को जमीन उपलब्ध कराने, केसठ में एक वाणिज्यिक बैंक की शाखा खोलने तथा छात्राओं की उच्च शिक्षा के लिए बालिका उच्च विद्यालय की स्थापना की भी मांग की है।

उन्होंने सांसद से अनुरोध किया है कि इन समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएं, ताकि क्षेत्रवासियों को जल्द राहत मिल सके।

डुमरांव में शॉर्ट सर्किट से आगजनी रोकने को संयुक्त बैठक आयोजित

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरुवार को ऊर्जा विभाग के विद्युत अभियंताओं एवं अग्निशमन कार्यालय डुमरांव के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में बढ़ती आगजनी की घटनाओं, विशेषकर शॉर्ट सर्किट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर ठोस रणनीति तैयार करना था। बैठक बिजली कार्यालय डुमरांव परिसर में आयोजित की गई, जिसमें अग्निशमन विभाग और विद्युत विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। अग्निशमन विभाग की अग्निशमालय पदाधिकारी शिखा कुमारी भी बैठक में उपस्थित रहीं। इस दौरान अधिकारियों ने हाल के दिनों में हुई आगजनी की घटनाओं की समीक्षा की और उनके कारणों पर विस्तार से चर्चा की।

विशेष रूप से घटिया एवं नकली गुणवत्ता वाले बिजली तारों को आग लगने की प्रमुख वजह माना गया। अधिकारियों ने कहा कि सस्ते और निम्न गुणवत्ता के तारों के उपयोग से शॉर्ट सर्किट की संभावना बढ़ जाती है, जिससे आगजनी की घटनाएं होती हैं। ऐसे में लोगों को जागरूक करने और मानक गुणवत्ता के विद्युत सामग्री के उपयोग को सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विद्युत विभाग नियमित रूप से जांच अभियान चलाएगा और संदिग्ध या खतरनाक वायरिंग को चिह्नित कर उसे दुरुस्त कराया जाएगा। वहीं अग्निशमन विभाग द्वारा भी जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को आग से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाएगी।

अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की कि वे अपने घरों और प्रतिष्ठानों में मानक गुणवत्ता के विद्युत उपकरणों का ही उपयोग करें तथा किसी भी तरह की खराबी होने पर तुरंत संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि समय रहते हादसों को रोका जा सके।

पोक्सो के फरार आरोपित के घर पुलिस ने डुगडुगी बजवा चस्पाया इश्तेहार

- **निर्धारित समय तक सरेंडर नहीं करने पर कुर्क होगी संपति, सात महीने से चल रहा है फरार**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव पुलिस ने पोक्सो ऐक्ट के एक फरार आरोपित के घर डुगडुगी बजवा इश्तेहार चस्पाया है। आरोपित के निर्धारित समय तक कोर्ट या पुलिस के समक्ष सरेंडर नहीं करने पर कोर्ट के आदेश पर उसकी संपति कुर्क की जाएगी।

बता दें कि डुमरांव के जंगलबाजार रोड निवासी आरोपित प्रकाश सोनी पर स्थानीय थाना क्षेत्र की ही एक 12 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के प्रयास का आरोप है। किशोरी के बयान पर डुमरांव थाने में कांड संख्या 219/25 दर्ज किया गया है। घटना 28 अक्टूबर 2025 है, जिसमें आरोपित फरार चल रहा है। कोर्ट के उसके खिलाफ पूर्व में वारंट भी निर्गत किया था, बावजूद उसने सरेंडर नहीं किया था, जिसके बाद कोर्ट ने उसके खिलाफ इश्तेहार निर्गत किया है। गुरूवार को डुमरांव थाने की एसआई प्रियंका व अर्चना के नेतृत्व में पुलिस टीम उसके दरवाजे पर पहुंची तथा नियमो के तहत डुगडुगी पिटवा उसके दरवाजे पर इश्तेहार चश्पाया। इस दौरान एसआई मतेन्द्र कुमार समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद थी।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा है। उन्होंने बताया कि कोर्ट के निर्देश पर उसके घर इश्तेहार चिपकाया गया है, यदि वह निर्धारित समय तक हाजिर नहीं होता है तो कोर्ट के आदेश पर पुलिस उसकी संपति भी कुर्क करेगी।

पुलिस की इस कार्रवाई के बाद आरोपित की मुश्किलें बढ़ गई है।

अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में नामांकन शुरू

- **9वीं व 11वीं कक्षा के लिए आवेदन आमंत्रित परीक्षा 17 मई को**

केटी न्यूज/बक्सर

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित राज्य के विभिन्न अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में सत्र 2026-27 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह नामांकन कक्षा 9वीं एवं 11वीं (कला व विज्ञान संकाय) में किया जाएगा। इसके तहत राज्य के मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन एवं पारसी समुदाय के छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं।

विभाग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आवेदन प्रक्रिया 1 जनवरी से 1 मई तक चलेगी। आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 2 से 4 मई तक का समय निर्धारित किया गया है। प्रवेश पत्र 12 मई से 16 मई के बीच डाउनलोड किए जा सकेंगे, जबकि प्रवेश परीक्षा 17 मई को आयोजित होगी। परीक्षा परिणाम 28 मई को प्रकाशित किया जाएगा और चयनित विद्यार्थियों का नया शैक्षणिक सत्र 8 जून से प्रारंभ होगा।

इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र भरने के बाद उसका प्रिंट निकालकर संबंधित जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। पात्रता के अनुसार कक्षा 9वीं के लिए अधिकतम आयु 16 वर्ष तथा 11वीं के लिए 18 वर्ष निर्धारित की गई है। साथ ही अभ्यर्थी के परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए।

चयन के लिए 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ परीक्षा आयोजित होगी, जिसकी अवधि दो घंटे निर्धारित है। परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर मेधा सूची तैयार कर नामांकन दिया जाएगा। यह नामांकन कटिहार, जमुई, नालंदा, मुजफ्फरपुर और कैमूर स्थित विद्यालयों के साथ-साथ सिवान, पूर्णिया, सहरसा, मुंगेर व सुपौल के कैंप विद्यालयों के लिए भी होगा।

निःशुल्क सुविधाएं व आरक्षण व्यवस्था

इन विद्यालयों में चयनित विद्यार्थियों को आवास, भोजन, वस्त्र, दवा, पुस्तकें तथा आधुनिक प्रयोगशाला की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाएगी। 11वीं कक्षा में विज्ञान (पीसीएम/पीसीबी) और कला संकाय की पढ़ाई उपलब्ध रहेगी। आरक्षण के तहत 50 प्रतिशत सीटें बालिकाओं एवं 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित हैं। साथ ही राज्य सरकार की वर्तमान आरक्षण नीति भी लागू रहेगी।

2045 के विजन के साथ बक्सर के विकास की नई रूपरेखा तैयार, बस टर्मिनल शिफ्टिंग और गंगा तट विकास पर जोर

- **जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक, मास्टर प्लान के पांचवें चरण पर मंथन; स्थानीय जरूरतों के अनुरूप सुझाव शामिल करने के निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर शहर के सुनियोजित विकास को लेकर प्रशासन ने अब दीर्घकालिक रणनीति पर काम तेज कर दिया है। इसी कड़ी में जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में बक्सर आयोजना क्षेत्र से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्ष 2045 को ध्यान में रखते हुए शहर के मास्टर प्लान के पांचवें चरण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य फोकस नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार द्वारा चयनित एजेंसी स्टेसालिट सिस्टम्स लिमिटेड के प्रस्तावों की समीक्षा करना और उन्हें स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बक्सर का विकास केवल आधुनिक ढांचे तक सीमित न रहकर उसकी सांस्कृतिक और भौगोलिक विशेषताओं को भी समाहित करेगा।

बैठक के दौरान कंसल्टेंट एजेंसी द्वारा वर्ष 2045 तक की संभावित जनसंख्या वृद्धि को आधार बनाकर भूमि उपयोग, यातायात व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विस्तार का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें शहर के विस्तार, सड़क नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई अहम प्रस्ताव रखे गए। प्रमुख प्रस्तावों में शहर के बाहर आधुनिक बस टर्मिनल के निर्माण और वर्तमान टर्मिनल को शिफ्ट करने की योजना शामिल है, जिससे शहर के भीतर यातायात दबाव को कम किया जा सके। इसके अलावा प्रमुख सड़कों के किनारे ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के विकास का सुझाव दिया गया, जिससे नियोजित तरीके से शहरी विस्तार हो सके। गंगा नदी के तट के विकास को भी इस मास्टर प्लान में विशेष प्राथमिकता दी गई है। घाटों के पुनर्विकास के साथ-साथ जेट्टी आधारित जल परिवहन प्रणाली को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा गया, जिससे पर्यटन और स्थानीय परिवहन दोनों को बढ़ावा मिल सके।

बैठक में पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अधिकारियों ने यातायात प्रबंधन, जल निकासी व्यवस्था, और अनियोजित शहरीकरण को नियंत्रित करने के उपायों पर अपने सुझाव दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बैठक में प्राप्त सभी तकनीकी एवं जनहित से जुड़े सुझावों को मास्टर प्लान में शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि योजना केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि धरातल पर लागू होने योग्य और व्यावहारिक होनी चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस योजना को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक स्तर पर पुनः समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि सभी पहलुओं पर संतुलित निर्णय लिया जा सके। प्रशासन का लक्ष्य है कि बक्सर को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और टिकाऊ शहर के रूप में विकसित किया जाए।

एक रायफल व 1.15 लाख नगद रूपए तथा शराब की बोतल बरामद, गुप्त सूचना पर मिली सफलता

ब्रह्मपुर में अवैध राइफल के साथ शराब पार्टी करते बिजली विभाग के जेई समेत 6 गिरफ्तार

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

शराबबंदी वाले बिहार में हर दिन चौकाने वाले मामले सामने आ रहे है। एक ऐसा ही मामला बुधवार की रात ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय चौक के समीप स्थित एक घर से मिला है, जहां से पुलिस ने शराब पार्टी करते बिजली विभाग के कनीय विद्युत अभियंता अमित कुमार राय समेत आधा दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से एक रायफल, एक बोतल शराब तथा 1.15 लाख रूपए नगद बरामद किए है। पुलिस की इस कार्रवाई तथा शराब पार्टी करते जेई की गिरफ्तारी की खबर मिलते ही बिजली विभाग में हड़कंप मच गया है। पुलिस बरामद रायफल की जांच कर रही है। फिलहाल बरामद किए गए रायफल के संबंध में पकड़े गए लोगों ने लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया है। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि ब्रह्मपुर चौरास्ता के पास स्थित एक कमरे में रामेश्वरनाथ तिवारी पांच से छह लोगों के साथ अवैध रूप से शराब पार्टी कर रहे हैं और वहां हथियार भी मौजूद है। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और कमरे की घेराबंदी कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कमरे से रामेश्वरनाथ तिवारी, सुधांशु रंजन, अमित कुमार पांडेय, संजय साह, अमित कुमार राय और प्रियांशु मिश्रा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपित शराब सेवन करते हुए पाए गए और मौके से बड़ी मात्रा में नकदी और अवैध हथियार मिलना गंभीर अपराध की ओर इशारा करता है। थानाध्यक्ष ने अपने बयान पर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए सभी को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बरामद राइफल किसकी है और इसे किस उद्देश्य से रखा गया था। इसके साथ ही कमरे के स्वामित्व, आरोपियों के बीच संबंधों और पैसों के स्रोत की भी जांच की जा रही है। ब्रह्मपुर पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में कानून-व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

विवादों से घिरे रहे है जेई अमित

बता दें कि ब्रह्मपुर में पदस्थापित बिजली विभाग के जेई का विवादों से पुराना नाता रहा है। इनपर पूर्व में अनुसूचित जनजाति तबके की एक महिला से मारपीट का आरोप भी लगा है, यह मामला अभी चल ही रहा था कि जेई शराब पार्टी करते पकड़े गए है। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी जेई पर कई गंभीर आरोप लगाए है।

बड़ा सवाल, जब सरकारी कर्मी ही गटकेंगे शराब तो कैसे सफल होगा शराबबंदी

इस घटना के सामने आने के बाद कई सवाल खड़े हो रहे है। सवाल तो यह भी उठ रहा है कि वर्षो से बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, बावजूद लोगों को आसानी से शराब कैसे मिल जा रही है। वहीं, सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि जब सरकारी कर्मी ही शराब गटकेंगे तो बिहार में शराबबंदी कानून कैसे सफल होगा।

कहते है एसडीपीओ

इस संबंध में डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने बताया कि बुधवार की रात सूचना मिली थी कि ब्रह्मपुर चौरास्ता के पास एक घर में कुछ लोग बैठ कर शराब पार्टी कर रहे है। इसकी सूचना मिलते ही तत्काल ब्रह्मपुर थाने को छापेमारी का निर्देश दिया गया। छापेमारी में बिजली विभाग के जेई समेत कुल छह लोगों को शराब के सेवन के आरोप में पकड़ा गया। मौके से एक रायफल तथा 1.15 लाख रूपए नगद बरामद हुए है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। वहीं, बरामद हथियार के संबंध में किसी तरह का लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है। इसकी जांच की जा रही है कि रायफल किसका था।

एक नजर

युवाशक्ति की पहल: सदर अस्पताल को मिली पाँच व्हीलचेयर

बक्सर। जिले के सदर अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को अब व्हीलचेयर की कमी से जूझना नहीं पड़ेगा। युवाशक्ति सेवा संस्थान की ओर से बुधवार को पाँच नई व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गईं। यह पहल युवा नेता आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह के नेतृत्व में की गई, जिसे अस्पताल प्रशासन ने सहर्ष स्वीकार किया। व्हीलचेयर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. संजय कुमार की मौजूदगी में संस्थान के सदस्यों द्वारा अस्पताल को सौंपा गया। इस मौके पर अस्पताल परिसर में एक सादगीपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने इस सहयोग को मरीजों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कार्यक्रम के दौरान युवा नेता रामजी सिंह ने कहा कि वे पिछले कई दिनों से अस्पताल की व्यवस्था पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने देखा कि दूर-दराज से इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को व्हीलचेयर के अभाव में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बुजुर्ग और गंभीर मरीजों को अस्पताल परिसर में आने-जाने में परेशानी होती थी, जिससे उनका दर्द और बढ़ जाता था।

उन्होंने आगे कहा कि सरकारी प्रक्रियाओं के तहत संसाधनों की उपलब्धता में समय लग जाता है, लेकिन जरूरत तत्काल होती है। इसी सोच के साथ युवाशक्ति सेवा संस्थान ने यह निर्णय लिया कि मरीजों की सुविधा के लिए अपने स्तर से व्हीलचेयर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी संस्था जनहित से जुड़े कार्यों में आगे बढ़कर सहयोग करती रहेगी। उपाधीक्षक डॉ. संजय कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के सामाजिक सहयोग से अस्पताल की व्यवस्था को मजबूती मिलती है और मरीजों को सीधा लाभ पहुंचता है। उन्होंने युवाशक्ति सेवा संस्थान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्थान के कई सदस्य मौजूद रहे, जिनमें आशुतोष दुबे, शराफत हुसैन, त्रिभुवन ओझा, श्याम जी वर्मा, कन्हैया यादव, माइकल पांडेय, पप्पू जायसवाल, विकास वर्मा और विक्की जायसवाल प्रमुख रूप से शामिल थे।

युवाशक्ति की यह पहल न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण है, बल्कि यह भी दिखाती है कि यदि समाज के लोग आगे आएं तो कई समस्याओं का समाधान आसानी से किया जा सकता है।

टाईब्रेकर का रोमांच : सासाराम ने पुराना भोजपुर को हराकर फाइनल में बनाई जगह

- **गोलरहित मुकाबले के बाद पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत, आज महेन और गाजीपुर के बीच दूसरा सेमीफाइनल**

केटी न्यूज/डुमरांव

पुराना भोजपुर के ऐतिहासिक मैदान में खेले जा रहे कस्तूरबा स्मारक शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का पांचवां दिन रोमांच से भरपूर रहा। सेमीफाइनल मुकाबले में सासाराम और पुराना भोजपुर की टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जहां निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं। अंततः मुकाबले का फैसला टाईब्रेकर से हुआ, जिसमें सासाराम ने 5-4 से जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

मैच की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। मिडफील्ड से लेकर फॉरवर्ड लाइन तक लगातार हमले होते रहे, लेकिन दोनों टीमों की मजबूत डिफेंस ने हर प्रयास को विफल कर दिया। गोलकीपरों का प्रदर्शन भी शानदार रहा, जिन्होंने कई महत्वपूर्ण बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। दर्शकों को पूरे समय एक भी गोल देखने को नहीं मिला, लेकिन खेल की गति और रोमांच में कोई कमी नहीं रही। निर्धारित समय के बाद स्कोर 0-0 रहने पर मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। यहां सासाराम के खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता का परिचय देते हुए 5 गोल दागे, जबकि पुराना भोजपुर की टीम 4 गोल ही कर सकी। इस जीत के साथ सासाराम ने फाइनल में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की, जबकि मेजबान टीम का सफर यहीं समाप्त हो गया। टूर्नामेंट के छठे दिन आज दूसरा सेमीफाइनल महेन और गाजीपुर के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों ने अपने-अपने पिछले मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन किया है। महेन ने बनारस को 1-0 से हराकर शुरूआत की थी, वहीं गाजीपुर ने बलिया को 2-0 से मात देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। ऐसे में आज का मुकाबला भी बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी कृष्णा सिंह उर्फ छोटे सिंह ने किया। इस अवसर पर कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन समिति ने बताया कि इस तरह के टूर्नामेंट ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को निखारने का बड़ा मंच प्रदान करते हैं। मैच संचालन रेफरी पिंटू सिंह, चंदन सिंह, चुनमुन शर्मा और चांद खान ने निष्पक्षता के साथ किया। पूरे आयोजन के दौरान खेल भावना और अनुशासन देखने को मिला, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा। अब सभी की नजरें दूसरे सेमीफाइनल और 12 अप्रैल को होने वाले फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं। आयोजकों के अनुसार फाइनल में भारी भीड़ जुटने की संभावना है, क्योंकि स्थानीय लोगों में टूर्नामेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह बना हुआ है।

सूर्य घर योजना को गति देने के निर्देश प्रचार-प्रसार और कैंप पर जोर

- **जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक, बैंक और बिजली विभाग को दिए सख्त निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और अनुश्रवण को लेकर जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति की अहम बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लाभुकों को इस योजना का लाभ मिल सके।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल बक्सर को निर्देशित किया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों तक योजना की जानकारी पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए, जिससे हर पात्र परिवार इस योजना से जुड़ सके। इसके साथ ही उन्होंने प्रखंड और पंचायत स्तर पर विशेष कैंप आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि इन कैंपों के माध्यम से लोगों को ऑन-द-स्पॉट जानकारी और आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रचार के पारंपरिक माध्यमों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी उपयोग किया जाए, ताकि युवा और शहरी वर्ग तक भी योजना की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

बैठक में मौजूद जिला अग्रणी प्रबंधक (एलडीएम) को निर्देश दिया गया कि योजना से जुड़े आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कैंप मोड में प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करते हुए नियमों के अनुरूप ऋण स्वीकृत किया जाए, ताकि लाभुकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने बैंकिंग प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाने पर भी बल दिया।

अधिकारियों को चेतावनी देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और फीडबैक सिस्टम को मजबूत करने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सके।

बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने योजना को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का भरोसा दिलाया।

जवहीं दीयर में सड़क निर्माण को लेकर बवाल, दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी, विधायक भी नामजद

केटी न्यूज/डुमरांव

चक्की प्रखंड अंतर्गत जवहीं दीयर गांव में निजी जमीन पर सड़क निर्माण को लेकर शुरू हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे सड़क निर्माण कार्य को लेकर दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट और सड़क तोड़फोड़ की घटना के बाद गुरुवार को दोनों ओर से एक-दूसरे के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस पूरे मामले में ब्रह्मपुर के आरजेडी विधायक शंभूनाथ सिंह यादव को भी आरोपी बनाया गया है। पहले पक्ष के अजय कुमार यादव ने थाना में दिए अपने आवेदन में विधायक शंभूनाथ सिंह यादव समेत तीन नामजद व्यक्तियों और लगभग 150 अज्ञात लोगों पर आरोप लगाया है कि उनकी पैतृक निजी जमीन पर बिना सहमति सड़क का निर्माण कराया जा रहा था। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और दबाव बनाकर कार्य जारी रखने की कोशिश हुई। अजय कुमार का कहना है कि उनकी जमीन की हिस्सेदारी स्पष्ट है फिर भी जबरन सड़क निर्माण कराया जा रहा था।

वीडियो हुआ था वायरल

दूसरी ओर, धनंजय यादव, पिता शंभूनाथ सिंह, ने प्रतिवाद करते हुए आरोप लगाया कि क्षेत्र विकास योजनांतर्गत दीनानाथ इंटरप्राइजेज द्वारा सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। इसी दौरान जवहीं गांव के बच्चा लाल यादव सहित सात लोग वहां पहुंचे और मजदूरों को धमकाकर काम रुकवा दिया। निमार्णाधीन सड़क को तोड़ भी दिया गया और मजदूरों के साथ अभद्रता व मारपीट की गई। घटना के बाद तनाव तब और बढ़ गया जब मजदूरों के पक्ष में पहुंचे विधायक शंभूनाथ सिंह यादव और ग्रामीणों के बीच नोकझोंक हो गई। बुधवार को इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ, जिसमें विधायक यह कहते दिखाई दे रहे हैं कि किसी भी हाल में यहां रोड बनेगीङ्ग राइफल निकालो रे, लड़ने आए हैं तो लड़ेंगे। रोड लोगों की समस्या को देखते हुए बन रहा है। इसे रोकने का कोई औचित्य नहीं है। वीडियो सामने आने के बाद गांव में तनाव की स्थिति और गहरी

दोनों पक्षों से सहयोग की अपील

वहीं विधायक ने सफाई देते हुए कहा कि सड़क निर्माण हाईकोर्ट के आदेश के बाद कराई गई नापी के आधार पर हो रहा है। उनके अनुसार नापी में संबंधित जमीन निजी स्वामित्व की नहीं पाई गई है, ऐसे में सड़क बनने से सभी ग्रामीणों को लाभ होगा और विरोध का कोई औचित्य नहीं है। एक तरफ विधायक सड़क बनाने के अपने निर्णय पर अडिग हैं, वहीं दूसरी तरफ ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी निजी जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। हालांकि बाद में बीच-बचाव कर हिंसक टकराव को टाला गया, लेकिन फिलहाल निर्माण कार्य रुक गया है। दोनों पक्षों द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गांव में तनाव को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है, जबकि प्रशासन ने स्थिति शांत करने के लिए दोनों पक्षों से सहयोग की अपील की है।

बक्सर में भाजपा की बैठक, 14 से 20 अप्रैल तक मनाई जाएगी अंबेडकर जयंती

- **जिला स्तर से लेकर 1667 बूथों तक होंगे विभिन्न कार्यक्रम, पदाधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां**

केटी न्यूज/बक्सर

भारतीय जनता पार्टी जिला बक्सर द्वारा अहिरौली स्थित पार्टी कार्यालय में जिला पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती सप्ताह मनाने को लेकर विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री धनंजय त्रिगुण ने किया। इस दौरान जिला प्रभारी अरुण कुशवाहा भी मौजूद रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले के सभी 1667 बूथों पर अंबेडकर जयंती सप्ताह के दौरान पुष्पांजलि, दीपोत्सव एवं स्वच्छता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही जिला स्तर पर संगोष्ठी, प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण, तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों पर चर्चा सुनिश्चित की जाएगी।

कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु विभिन्न पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। जिला केंद्र पर संगोष्ठी की जिम्मेदारी पुनीत सिंह को दी गई, जबकि पुष्पांजलि कार्यक्रम अरविंद पासवान और धनंजय त्रिगुण के जिम्मे रहेगा। योजनाओं के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी रमेश गुप्ता को दी गई है। वहीं बूथ स्तर के कार्यक्रमों के समन्वय के लिए विनोद राय को जिम्मेदारी दी गई। प्रतिनिधि प्रवास का दायित्व निर्भय राय तथा प्रदेश नेताओं के प्रवास की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता मिठाई सिंह को सौंपी गई है।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का उद्देश्य भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाना और समाज को एकजुट करना था। उन्होंने कहा कि भाजपा आज भी उनके विचारों और आदर्शों पर चल रही है तथा ङ्खराष्ट्र प्रथमङ्घ के मूल मंत्र को आत्मसात कर समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक में भुटेली तिवारी, दिलीप चंद्रवंशी, उमाकांत पांडेय, अजय भट्ट, राजा सिंह, एस.बी. सिंह त्यागी, बृजेश चौबे, सविता देवी, उमाशंकर राय सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बभनियांव पैक्स चुनाव में अध्यक्ष और सदस्य पद के लिए मैदान में उतरे प्रत्याशी

- 20 अप्रैल को होगा मतदान और उसी दिन आएंगे नतीजे

केटी न्यूज/आरा

जगदीशपुर प्रखंड के बभनियांव पैक्स चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया गुरुवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। नामांकन के अंतिम दिन प्रखंड सूचना प्रौद्योगिकी भवन में अभ्यर्थियों और समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे दिनभर गहमागहमी बनी रही। अध्यक्ष पद के लिए कुल सात उम्मीदवारों ने अपना दावा पेश किया है। वहीं विभिन्न कोटि के 11 सदस्य पदों के लिए 24

अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। नामांकन के आखिरी दिन अध्यक्ष पद के लिए चार नए उम्मीदवारों ने पर्चा भरा। बीडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी क्रांति कुमार की देखरेख में चली इस प्रक्रिया के दौरान प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी विजय प्रकाश सहित अन्य अधिकारी मुस्तैद रहे। अध्यक्ष पद के लिए चुनावी मैदान में अब रमेश सिंह, सुनील कुमार, रामप्रवेश सिंह, शिवजी सिंह, सुदेश्वर सिंह, अखिलेश सिंह और पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह के बीच मुकाबला तय माना जा रहा है। किसानों के मुद्दे और दावों की गूंज नामांकन के बाद प्रत्याशियों ने अपनी प्राथमिकताएं साझा की। प्रत्याशियों ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए दावा किया कि जीत के बाद अनाज खरीदारी की व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाएगा।

समय सीमा को लेकर हुई नोकझोंक नामांकन के दौरान सुदेश्वर सिंह ने प्रशासन पर उनके समर्थकों का नामांकन नहीं लेने का आरोप लगाया। इस पर स्थिति स्पष्ट करते हुए बीडीओ क्रांति कुमार ने कहा कि नामांकन की समय-सीमा दोपहर 3 बजे तक ही थी। निर्धारित समय के बाद किसी का आवेदन स्वीकार करने का प्रावधान नहीं है। जिसकी पूरी प्रक्रिया की वीडियो ग्राफी कराई गई है।

बिहार में अपराधी बेलगाम जनता परेशान, और मुख्यमंत्री बनाने में लगी है भाजपा : तेजस्वी यादव

एजेंसी। पटना

बेगूसराय के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहनपुर गांव में हुए सनसनीखेज हत्याकांड के बाद बिहार की सियासत तेज हो गई है। गुरुवार को बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पीड़ित परिवार से मिलने गांव में पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। उन्होंने पुलिस से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव ने स्पष्ट कहा कि इस जघन्य हत्या में शामिल मुख्य आरोपी बच्चा सिंह सहित सभी अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि सभी फरार आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। दौरे के दौरान तेजस्वी यादव ने बेगूसराय के पुलिस अधीक्षक (एसपी) मनीष से फोन पर बातचीत कर मामले की जानकारी ली और कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश देने की मांग की। उन्होंने कहा कि बचे हुए सभी अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। मीडिया से बातचीत के दौरान तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। कहा कि बिहार में अपराध पूरी तरह बेलगाम हो चुका है और कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने अररिया की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वहां एक व्यक्ति की हत्या कर उसके सिर को बाजार में घुमाया गया, यह बेहद भयावह और शर्मनाक है। बिहार अपराध के मामले में अव्वल होता जा रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य में पढ़ाई, दवाई, कमाई, सिंचाई और नौकरी जैसे बुनियादी क्षेत्रों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है, जबकि भ्रष्टाचार और महंगाई में इजाफा होरहा है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मौजूदा सरकार जनहित के मुद्दों से भटक गई है। पहले पांच साल में एक बार सरकार बनती थी, अब कुछ महीनों में ही फिर सरकार बनाने की चर्चा शुरू हो जाती है। भाजपा के नेता मुख्यमंत्री बनने की होड़ में लगे हैं, लेकिन जनता की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि हाल ही में हुई ओलावृष्टि से किसानों की फसल बर्बाद हो गई, लेकिन उन्हें पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल पाया।

स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में न तो पर्याप्त डॉक्टर हैं, न दवाइयां उपलब्ध हैं और न ही समुचित इलाज हो पा रहा है। वहीं शिक्षा व्यवस्था पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि स्कूलों में पढ़ाई का स्तर गिरता जा रहा है और ड्रॉपआउट रेट सबसे अधिक है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में बिहार देश में सबसे नीचे है और राज्य अब भी सबसे गरीब बना हुआ है।

पुरानी रंजिश में हुई थी बेरहमी से हत्या

गौरतलब है कि मार्च माह में पुरानी रंजिश के चलते अपराधियों ने 27 वर्षीय मोहम्मद वकील उर्फ मखिया का अपहरण कर लिया था। इसके बाद उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर बेरहमी से पीटा गया और अंत में गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के विरोध में पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों पर भी बदमाशों ने हमला कर दिया, जिसमें एक पुलिसकर्मी सहित करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए थे।

सियासत तेज, पीड़ित परिवार को न्याय की उम्मीद

तेजस्वी यादव के दौरे और तीखे बयानों के बाद यह मामला राजनीतिक रूप से और गरमा गया है। विपक्ष जहां कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को घेर रहा है, वहीं पीड़ित परिवार को अब न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

सेवानिवृत प्रधानाध्यापक को विद्यालय परिवार ने दी भावभीनी विदाई

- छात्रों के भविष्य को संवारने के लिए सभी शिक्षक बनें कर्मनिष्ठ : कमल नारायण

केटी न्यूज/रोहतास

बिक्रमगंज प्रखंड क्षेत्र के घुसियां कलां पंचायत के उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय प्रधानाध्यापक कमल नारायण सिंह के सेवानिवृत होने पर विद्यालय परिवार ने उन्हें दी भावभीनी विदाई। ज्ञात हो कि मध्य विद्यालय में 13 साल 6 माह तक उन्होंने बच्चों के लिए शिक्षा क्षेत्र में प्रधानाध्यापक के पद रहते हुए अपना सराहनीय योगदान दिया। सेवानिवृति के उपरांत 8 अप्रैल को समस्त विद्यालय कर्मियों के नेतृत्व विदाई समारोह आयोजित की गई। समारोह का नेतृत्व करते हुए मुख्य अतिथि सीसीसीआर कॉर्डिनेटर अब्दुल रशीद ने उनके स्वस्थ जीवन की मंगल कामना की। कार्यक्रम का मंच संचालन मो. शमशाद एवं निरंजन

कुमार ने की। विदाई समारोह में कार्यक्रम में सभी शिक्षकों, छात्रछात्राओं,प्रबंधन सहित मुख्य अतिथियों ने भाग लिया। विदाई समारोह की शुरूआत छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ की। जिसके बाद छात्रों ने उनके सम्मान में विदाई गीत और कविताएं प्रस्तुत कर सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक का अभिनंदन किया। मौके पर शिक्षकों ने अपने संबोधन में बताया कि प्रधानाध्यापक कमल नारायण के कुशल नेतृत्व में विद्यालय ने शैक्षणिक और खेलकूद के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करते हुए अनुशासन प्रियता के साथ मिलनसार स्वभाव से विद्यालय परिवार को सदैव प्रेरित किया है। जबकि विदाई समारोह संबोधन में प्रधानाध्यापक ने अपने कार्यकाल के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि शिक्षकों और विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत और ईमानदारी के मार्ग पर हमेशा चलना चाहिए। ताकि विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में ऊंचे मार्ग पर पहुंच सकें। अवसर पर शिक्षकों सहित जनप्रतिनिधियों ने उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही कहा कि प्रधानाध्यापक के सेवानिवृत्त होने से विद्यालय में एक बेहतर मार्ग दिशा दिखाने वाले शिक्षाविद की कमी हमेशा महसूस होगी। उक्त मौके पर प्रधानाध्यापक शेख रिजवान अहमद, शिक्षक- मो. इमरान, आत्मानंद ठाकुर, विनीता, मो.तौसीफ आलम वीटी, विनीता कुमारी, सालेहा खातून, रेशमा खातून, मो.सलमान, अफसाना खातून, प्रमिला कुमारी, शहाबुद्दीन, आफरीन बानो, मो.अबुल हसन, मो.यासीन अंसारी, विजय प्रसाद सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

रजौली : नगर पंचायत में 11 करोड़ 25 लाख की लागत से नाला निर्माण कार्य हुआ शुरू

- आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम के नालें से लोगों को जल जमाव से मिलेगी मुक्ति

केटी न्यूज/नवादा

नगर पंचायत में जल निकासी की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नाला निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ। गुरुवार को नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी आतिश कुमार,रजौली विधानसभा विधायक विमल राजवंशी,नगर पंचायत मुख्य पार्षद प्रतिनिधि प्रमोद चंद्रवंशी सहित नाला निर्माण संवेदक आशुतोष कुमार बड़के कंपनी के कर्मी प्रवीण कुमार, कुंदन त्रिपाठी नाला निर्माण कार्य का निरीक्षण कर परियोजना का उद्घाटन किया। नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी आतिश कुमार ने बताया कि बरसात में जल जमाव से लोगों को भारी परेशानी होती थी। आयो दिन सड़कों और

मोहल्लों में गंदा पानी भरने से आवागमन बाधित होता था। जिस कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता था। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए नगर पंचायत ने यह योजना तैयार की है। यह परियोजना नगर विकास एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन और सहयोग से स्वीकृत हुई है। नाला निर्माण का कार्य सीएनडीएस द्वारा लगभग 11 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। यह नाला नगर पंचायत के उत्तरी छोर से दक्षिणी छोर तक बनेगा, जिससे पूरे नगर क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी। स्थानीय विधायक विमल राजवंशी ने बताया कि परियोजना को जल्द के भीतर पूरा करने का लक्ष्य है। नाला बनने के बाद बरसात में जलभराव की समस्या खत्म होगी और नगर की स्वच्छता व स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार आएगा। वही मौके पर बबलू कुमार उर्फ रंजन, बंटी सिंह,ओम प्रकाश आर्य,सहित कई जनप्रतिनिधि सहित नगरवासियों ने इसे विकास कार्य का एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

एक नजर

रजौली के इसरार आलम ने एसएससी सीजीएल में मिली सफलता, लोगों में खुशी

रजौली। प्रखंड क्षेत्र के मुरहेना पंचायत के चमौथा गांव के रहने वाले इसरार आलम ने एसएससी सीजीएल परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक 7880 हासिल कर अपने क्षेत्र और परिवार का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि से पूरे गांव और पंचायत में खुशी की लहर दौड़ गई है। इसरार आलम की इस सफलता पर उनके परिजन, दोस्त और स्थानीय लोगों ने गर्व जताते हुए बधाइयों का तांता लगा दिया है।बताया जा रहा है कि इसरार ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मेहनत और लगन से पढ़ाई की, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। उनकी इस सफलता ने क्षेत्र के अन्य युवाओं के लिए भी एक प्रेरणा का काम किया है।परिवार वालों का कहना है कि इसरार शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं और उन्होंने अपने लक्ष्य को पाने के लिए दिन-रात मेहनत की। गांव के लोगों ने भी मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। इसरार आलम की यह उपलब्धि न सिर्फ उनके परिवार बल्कि पूरे मुरहेना पंचायत और आसपास के क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। वही इसरार आलम के पिता इवरारा आलम बैंगलोर के एक निजी होटल में बैटर का काम करते हैं।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय छात्र विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन

रजौली। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय करमाकला में वर्ग 8 के सभी छात्र-छात्राओं को भव्य स्वागत एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार निराला के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार अंग वस्त्र देकर एवं राष्ट्रीय गान के साथ प्रारंभ किया गया ' मंच का संचालन विद्यालय के वरीय शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोपालपुर प्रधानाध्यापक दयानन्द सिन्हा ने की। मौके पर फूलों की माला पहनकर पत्रकार व वरीय शिक्षक को सम्मानित किया गया वहीं मौके पर मौजूद, शिक्षक पुष्कर कुमार, सोमनाथ राजीव कुमार, सुरेश कुमार,सचिन कुमार, सुबोध कुमार उपेंद्र कुमार,सत्येंद्र कुमार पांडे महेंद्र प्रसाद, और उषा सिंहा,दीप्ति सिन्हा,अर्चना भारती, माला कुमारी,सचिन कुमार सभी शिक्षक रसोईया बिंदिया देवी,खेमनी देवी,गंगा देवी छात्र-छात्राएं रोशनी कुमारी, सिमरन कुमारी,निशा कुमारी,प्रियंका कुमारी, कहकशा परवीन,संजना कुमारी, अमरजीत कुमार,शोभा कुमारी, कृष्ण कुमार एवं मनीष कुमार एवं सभी शिक्षक शिक्षिका ने सम्मान सह विदाई कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ग 8 से नवमी कक्षा में जाने वाले सभी छात्र-छात्राओं के भविष्य की शुभकामनाएं एवं अवसर की उपलब्धताओं एवं भविष्य की सवरने की सारी प्रक्रियाओं को सुक्ष्म तरीके से सभी छात्राओं के बीच में साझा किया ' विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने मंच से खुलेआम ऐलान किया कि वर्ग 8 से ऊपर जाने वाले सभी छात्र जिन्हें अध्ययन के क्रम में आर्थिक सामाजिक या शैक्षणिक स्तर से किसी तरह की भी असुविधा यदि होती है तो निसंकोच विद्यालय प्रधानाध्यापक से संपर्क करें हर संभव उनके जीवन को संवारने में मैं साथ खड़ा रहूंगा। प्रधानाध्यापक सुनील कुमार निराला ने पहली बार शिक्षक सम्मान एवं सहकर्मियों को उपहार देकर के सम्मानित करने पर सदस्यों की प्रशंसा की। प्रधानाध्यापक अमरजीत कुमार, सुरजीत सुबोध कुमार एवं सरोज यादव संचालक उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय भगवानपुर तथा दिलीप कुमार आदि प्रधानाध्यापक उपस्थित थे।

मानव जीवन में भेदभाव को यज्ञ कथा करती है दूर : रंगनाथाचार्य

चरपोखरी । चरपोखरी प्रखण्ड के सोनवर्षा ग्राम स्थित देश भर में प्रसिद्ध श्रीतोताद्रिमठ लक्ष्मीनारायण आश्रम पर त्रिदण्डी स्वामी जी के 38 वे स्मृति महोत्सव के उपलक्ष्य में मठाधीश व यज्ञाधीश अनन्तश्री स्वामी रंगनाथाचार्य जी महाराज के नेतृत्व में होरहे साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के अंतिम दिन कथा सुनने के लिए हजारों के संख्या में हरि भक्त पधारे जहाँ अन्तर्राष्ट्रीय कथावाचक परंपूज्य दयानन्द शास्त्रीजी ने तीन रत्नों की चर्चा करते हुए बताए की जल, अन्न और सुन्दर वाणी यही तीन रत्न हैं पर कुछ मूर्ख लोग पाषाण खंड को रत्न बोलते हैं वर्ण व्यवस्था समाज के संचालन और व्यवस्था की कड़ी है जिसे शास्त्रों में कहा गया है चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुण कर्म विभागशगीता पर वर्तमान के राजनीति ने जातीवाद के विष घोलकर हिन्दू समाज को तोड़ने का कुचक्र खेला गया है जिससे हिन्दूसमाज को बचना चाहिए! उन्होंने कहा की किसी के ह्रदय न दुखाएं और किसी मठ,सन्त या किसी दुसरे के धन न कब्जाएं अन्यथा साठ हजार वर्ष तक विष्ठा के कीड़ा बनकर कष्ट भोगना पड़ता है कथा की पूणार्हुति के मौके पर प्रकांड विद्वान क्रांतिकारी गोविंदाचार्य अनंत पांडेय गोपी जी अर्जुन शास्त्री रोहित पांडेय वैदिक कुरेश के नेतृत्व में विधिवत रूप से यज्ञशाला में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूणार्हुति कराया समापन के दिन पंडाल श्रद्धालुओं से भरा रहा एवं दुर्धरा से आए हुए हजारों भक्तों ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया इस दौरान अंतिम दिन आयोजित विशाल भंडारे में हजारों लोगों के बीच प्रसाद विवरण किया गया।

स्वास्थ्य जागरूकता पर एनीमिया उन्मूलन पर संगोष्ठी का आयोजन

- डॉ. संचिता गौड़ ने बचाव का बताया प्रभावी तरीका

केटी न्यूज/आरा

आधुनिक जीवनशैली और असंतुलित खान-पान के कारण बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच, एनीमिया (खून की कमी) जैसी गंभीर समस्या के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को पीरो अनुमंडल क्षेत्र के फतेहपुर बाजार स्थित एक निजी कॉम्प्लेक्स में एक विशेष सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों, स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जहाँ इस खामोश बीमारी से लड़ने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया गया।

जागरूकता ही बचाव का

प्रथम चरण : कार्यक्रम में मुख्य वक्ता और विषय प्रवर्तक के

रूप में उपस्थित डॉ. संचिता गौड़ ने सेमिनार का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर गहरी चिंता व्यक्त किया कि एनीमिया भारत में विशेषकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के विकास में एक बड़ी बाधा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग शरीर में होने वाले छोटे-मोटे बदलावों को थकान मानकर नजरअंदाज कर देते हैं जो बाद में गंभीर एनीमिया का रूप ले लेता है। डॉ. गौड़ ने स्पष्ट किया कि शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं या हीमोग्लोबिन की कमी केवल कमजोरी नहीं बल्कि शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुँचने की प्रक्रिया को बाधित करती है। डॉ. संचिता ने विस्तृत रूप से एनीमिया के लक्षणों पर चर्चा की ताकि आम लोग खुद की और अपने परिवार की जांच कर सकें। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को बिना किसी कठिन परिश्रम के लगातार थकान महसूस होती है या थोड़ा चलने पर ही सांस फूलने लगती है तो यह एनीमिया का स्पष्ट संकेत हो सकता है। अन्य लक्षणों में चेहरे और आंखों का पीलापन, हथेलियों का ठंडा रहना, बार-बार चक्कर आना और सिरदर्द शामिल हैं। बच्चों में एकाग्रता की कमी और चिड़चिड़ापन भी हीमोग्लोबिन की कमी के कारण हो सकता है। उन्होंने जोर दिया कि इन लक्षणों के दिखते ही तुरंत डॉक्टरी सलाह और रक्त जांच कराना अनिवार्य है।

संतुलित आहार और जीवनशैली पर जोर : रोकथाम के उपायों पर चर्चा करते हुए डॉ. गौड़ ने कहा कि एनीमिया से लड़ने के लिए दवाइयों से ज्यादा बेहतर जागरूकता है। उन्होंने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध खाद्य पदार्थों जैसे गुड़, काला चना, पालक, मेथी, बथुआ और अनार के सेवन की सलाह दी। उन्होंने बताया कि आयरन के अवशोषण के लिए विटामिन-सी (जैसे नींबू, आंवला) बहुत जरूरी है। सेमिनार में यह भी बताया गया कि किशोरावस्था और गर्भावस्था के दौरान विशेष सावधानी और नियमित आयरन की गोलियों का सेवन सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार करना चाहिए।

गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी नहीं होने से हजारों उपभोक्ता परेशान

केटी न्यूज/नवादा

अनुमंडल और नगर क्षेत्रों में गैस एजेंसी संचालकों द्वारा सिलेंडरों की होम डिलीवरी नहीं दी जा रही है। यही कारण है कि वार्ड 3 के कई इलाकों के लोग गैस नहीं रहने के कारण सड़क के किनारे आसपास सुबह से नजर आने लगते हैं। होम डिलीवरी से वंचित करीब हजारों से ज्यादा उपभोक्ताओं को शुरू से ही इस तरह की समस्याएं हो रही हैं। ऐसे में सुबह से शाम तक कई बार लोगों को गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। गैस उपभोक्ताओं का कहना है कि सिलेंडर लेने के लिए पहले एजेंसी पर बुकिंग करानी पड़ती है, इसके बाद रजौली अनुमंडल मुख्यालय में इंडियन गैस एजेंसी नहीं रहने के बावजूद भी पहले किसी के द्वारा सैकड़ो लोगों को कनेक्शन दिया

गया वहीं अब खुद एजेंसी कंपनी के द्वारा ना अस्थाई एजेंसी व गैस गोदाम नहीं रहने से होम डिलीवरी नहीं कराई जा रही है जिससे उपभोक्ता को घंटे घंटे भर गैस के चक्कर में दिन भर धूप में खड़ा रहना पड़ता है। उसके बाद कई उपभोक्ता को भी गैस आपूर्ति नहीं मिलने से कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है वही कई बार तो ऐसा भी हो जाता है कि सिलेंडर खत्म हो जाते हैं और अगले दिन आना पड़ता है। इधर कई प्रखंड मुख्यालय के कई गांवों तो ऐसी हैं जो कि उन्हें बुकिंग कराने के बाद होम डिलीवरी नहीं मिलती, जिसके चलते उपभोक्ताओं को एजेंसी आकर सिलेंडर की डिलीवरी लेनी पड़ती है। वही सुबह से रात तक उपभोक्ताओं की भीड़ रहती है।

पटना जू में बढ़ेगी रौनक

जल्द देखने को मिलेंगे सफेद बाघिन और संगाई हिरण समेत कई दुर्लभ वन्यजीव

एजेंसी। पटना

पटना जू में एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आने वाले समय में रौनक बढ़ने वाली है. यहां पर्यटकों को हर बार कुछ नया देखने को मिलेगा. सफेद बाघिन, संगाई हिरण समेत कई दुर्लभ वन्यजीव आएंगे, जिससे आकर्षण और विविधता बढ़ेगी. राजधानी पटना स्थित संजय गांधी जैविक उद्यान की रौनक अब और बढ़ने वाली है। एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पटना जू का दिल्ली और हरियाणा के रोहतक जू के साथ समझौता अंतिम रूप ले चुका है, जिसके बाद यहां कई दुर्लभ और आकर्षक वन्यजीव लाए जाएंगे। इस अदला-बदली कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण सफेद बाघिन होगी, जो जल्द ही पटना जू की शोभा बढ़ाएगी। इसके साथ ही मणिपुर का गौरव माने जाने वाले 6 संगाई हिरण (2 नर और 4 मादा) भी यहां लाए जाएंगे। दिल्ली जू से पटना में 4 सफेद कृष्णमृग, 4 रोजी पेलिकन और 4 पेंटेड स्टॉर्क भी आएंगे, जिससे जू के बर्ड सेक्शन में चहल-पहल बढ़ेगी और पर्यटकों को नया अनुभव मिलेगा। ,वहीं, इस एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पटना जू भी अपने कुछ वन्यजीव अन्य चिड़ियाघरों को देगा। दिल्ली जू को 4 इंडियन वुल्फ (भेड़िये), एक सामान्य नर बाघ, 4 घड़ियाल, 2 कॉमन रैट स्नेक और 2 कॉमन बार्न आउल भेजे जाएंगे। इसके अलावा भेड़ियों की एक जोड़ी रोहतक जू को दी जाएगी। बदले में रोहतक से पटना को 2 ग्रीन इगुआना और 2 सिल्वर फिजेंट मिलेंगे। जू प्रशासन के अनुसार, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों में जेनेटिक विविधता बनाए रखना है। एक ही स्थान पर लंबे समय तक रहने से जानवरों में इनब्रीडिंग की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे उनकी नई पीढ़ी कमजोर हो सकती है। ऐसे में दूसरे चिड़ियाघरों से नए जानवर आने से उनकी सेहत बेहतर होती है और प्रजातियों का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। इस पहल से न केवल जू में वन्यजीवों की विविधता बढ़ेगी, बल्कि पर्यटकों को भी हर बार कुछ नया देखने को मिलेगा।

डिप्टी सीएम सिन्हा का एलान : बेतिया राज संपत्तियों के लिए नई नियमावली 2026 तैयार, अवैध कब्जों पर सख्ती

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने ऐतिहासिक बेतिया राज की संपत्तियों को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इन संपत्तियों के सही प्रबंधन, संरक्षण और उपयोग के लिए ह्लबेतिया राज संपत्ति नियमावली, 2026ह्व का ड्राफ्ट तैयार किया है। यह नियमावली ह्लबेतिया राज संपत्ति अधिनियम, 2024ह्व को लागू करने के लिए बनाई गई है, ताकि वर्षों से बिखरी और विवादित संपत्तियों को व्यवस्थित किया जा सके।उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि बेतिया राज की सभी चल और अचल संपत्तियाँ, चाहे वे बिहार के अंदर हों या बाहर, उन्हें कानूनी प्रक्रिया के तहत राज्य सरकार के नियंत्रण में लिया जाएगा। इसका उद्देश्य इन संपत्तियों की सुरक्षा

करना, उनका सही प्रबंधन सुनिश्चित करना और उन्हें जनहित में उपयोग करना है।उन्होंने कहा कि इस नई नियमावली में पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और स्पष्ट बनाया गया है। नियमावली अधिनियम की धारा-17 के तहत तैयार की गई है, जिसमें संपत्तियों से जुड़े विवादों के निपटान, कब्जा लेने की प्रक्रिया, संपत्तियों का वर्गीकरण, प्रबंधन, निपटान, अपील और पुनरीक्षण जैसी सभी महत्वपूर्ण बातें विस्तार से शामिल की गई हैं। इससे अब बेतिया राज की संपत्तियों से जुड़े मामलों में कानूनी अस्पष्टता खत्म होगी और प्रक्रिया साफ-सुथरी होगी। सरकार द्वारा अधिसूचना जारी होने के बाद सभी संबंधित संपत्तियों की जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। इसके बाद अगर किसी व्यक्ति या पक्ष को कोई आपत्ति है, तो वह 60 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकेगा। इन आपत्तियों की सुनवाई के लिए जिला स्तर पर विशेष पदाधिकारी नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियाँ दी जाएंगी। ये अधिकारी अधिकतम 90 दिनों के भीतर मामलों का निपटारा करेंगे, ताकि प्रक्रिया लंबित न रहे। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि यदि तय समय के भीतर कोई आपत्ति नहीं आती है या दर्ज आपत्तियों को खारिज कर दिया जाता है, तो संबंधित जिले के समाहर्ता (डीएम) उन संपत्तियों पर प्रभावी कब्जा लेने की कार्रवाई करेंगे। कब्जा लेने के बाद संपत्तियों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा जाएगा। इनमें ऐतिहासिक और विरासत संपत्तियाँ, पहले से सरकारी उपयोग में चल रही संपत्तियाँ, वैध पट्टाधारकों के कब्जे वाली संपत्तियाँ और बिना किसी वैध दस्तावेज के कब्जे वाली संपत्तियाँ शामिल होंगी।सरकार ने लंबे समय से रह रहे लोगों को भी राहत देने का प्रावधान रखा है। नियमावली के अनुसार, 40 साल या उससे अधिक समय से किसी संपत्ति पर रह रहे लोगों को विशेष छूट दी जाएगी। इसके लिए 1 जनवरी 1986 को कट-ऑफ तारीख तय की गई है। जो लोग इस तारीख से पहले से कब्जे में हैं और उनके पास वैध कागजात हैं, उन्हें निर्धारित राशि देकर उस संपत्ति का पूर्ण स्वामित्व हासिल करने का अवसर मिलेगा। वहीं, 1 जनवरी 1986 के बाद कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अतिक्रमणकारियों के निर्माण को जब्त (कब्जे में) किया जा सकता है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी होगी। जिन लोगों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं होगा या लंबे समय तक कब्जे का कोई प्रमाण नहीं मिलेगा, उन्हें अवैध कब्जाधारी माना जाएगा और बिहार लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम, 1956 के तहत उन्हें हटाया जाएगा। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बेतिया राज की कई संपत्तियाँ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण हैं। इन विरासत संपत्तियों को संरक्षित करने के लिए विशेषज्ञों और पुरातात्विक संस्थानों की मदद ली जाएगी, ताकि उनकी मूल पहचान और महत्व को सुरक्षित रखा जा सके।

भाजपा विधि प्रकोष्ठ का अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम, संगठन मजबूती पर जोर

केटी न्यूज/पटना

भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ, बिहार प्रदेश द्वारा ह्लस्थापना दिवस सप्ताहह्व के अवसर पर पटना स्थित बिहार बार काउंसिल सभागार में अधिवक्ता संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों अधिवक्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति ने इसे प्रभावशाली बना दिया। आयोजन का उद्देश्य अधिवक्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर संगठनात्मक मजबूती और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी तथा बिहार सरकार के सहकारिता, पर्यावरण एवं वन मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विंध्याचल राय ने की। इसके अलावा प्रदेश प्रभारी अवधेश पांडे, बिहार बार काउंसिल के अध्यक्ष रमाकांत शर्मा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण मौजूद रहे।

अपने संबोधन में संजय सरावगी ने कहा कि बिहार की धरती के सपूत आज राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं को संगठन से जोड़ने का कार्य कर रही है और इसके सकारात्मक परिणाम जल्द सामने आएंगे। उन्होंने आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को व्यापक स्तर पर मनाने का आह्वान भी किया। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा।

वहीं मंत्री प्रमोद चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान विचारकों के त्याग और समर्पण से भाजपा आज एक विशाल वटवृक्ष के रूप में विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि वर्ष के 365 दिन राष्ट्र सेवा में संलग्न एक सशक्त सामाजिक संगठन है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विंध्याचल राय ने पार्टी की स्थापना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा विचार परिवार के समर्पित कार्यकताओं के अथक प्रयासों से भाजपा आज देश के अधिकांश राज्यों में सशक्त रूप से कार्य कर रही है।

नितिन नवीन बोले- सीएम चयन पर एनडीए में कोई मतभेद नहीं, नीतीश कुमार के नेतृत्व में लिए जा रहे सारे फैसले

एजेंसी। पटना

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने साफ कहा कि मुख्यमंत्री चयन की प्रक्रिया जारी है। एनडीए के सभी दलों के बीच बातचीत चल रही है। कहीं कोई दिक्कत नहीं है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही सारी चीजें हो रही हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार में अगले मुख्यमंत्री को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि नए मुख्यमंत्री के चयन को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के भीतर किसी प्रकार का मतभेद नहीं है। पूरी प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कहीं भी कोई मतभेद नहीं है। सब कुछ तय कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा गठबंधन धर्म का पालन करती आई है और इसी कारण सहयोगी दल उस पर भरोसा करते हैं। सभी फैसले नीतीश कुमार के

नेतृत्व में ही लिए जा रहे हैं। बंगाल, असम समेत अन्य राज्यों में चुनाव में प्रदर्शन के सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी राज्यों में होने वाले चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेगी। तीन-भाषा फॉमूर्ला पर उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य को आशंकित होने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप हम राष्ट्रवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, लेकिन क्षेत्रीय पहचान का भी सम्मान करते हैं। हमारी प्राथमिकता सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाना है। विपक्ष को लेकर नितिन नवीन ने कहा कि जमीन पर एनडीए के सामने कोई बड़ी चुनौती नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनका प्रभाव कमजोर पड़ चुका है। जनता उनके बारे में जान चुकी है। इसलिए उन्हें नकार दिया है।

एक नजर

अरवल में बेलगाम ट्रक की टक्कर से दारोगा की मौत, पुलिस महकमे में शोक की लहर

अरवल जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है, जहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में शहर तेलपा थाना के दारोगा की मौत हो गई। हादसा रामपुर चौरम थाना क्षेत्र के सुखी बिगहा गांव के पास हुई। जिससे पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गयी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक मनू कुमार 2020 बैच का दारोगा था। वो किसी महत्वपूर्ण क्राइम मीटिंग में शामिल होने के लिए अरवल जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक को एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर ही गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल दरोगा को तुरंत सदर अस्पताल, अरवल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। लेकिन उनकी हालत नाजुक देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना एम्स रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस खबर के बाद पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि दारोगा मनू कुमार की तैनाती शहर तेलपा थाना में थी। वे एक कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार और सजग अधिकारी के रूप में जाने जाते थे। उनकी मौत से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मृतक दारोगा मूल रूप से रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र के डुमरी गांव निवासी तेज बहादुर के पुत्र थे। जैसे ही घटना की सूचना परिजनों को मिली घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। ट्रक चालक की पहचान की जा रही है।यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों की ओर इशारा करता है। स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

खुले में मांस-मछली बिक्री पर प्रशासन की सख्ती, कई दुकानदारों को नोटिस

मोतिहारी। मोतिहारी के सुगौली नगर पंचायत क्षेत्र में खुले में मांस और मछली की बिक्री पर रोक को लेकर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को कार्यपालक पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने विभिन्न बाजारों में सघन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान कई विक्रेता प्रशासन को देखकर अपनी दुकानें छोड़कर भाग गए, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान कई मांस और मछली विक्रेताओं को नोटिस भी थमाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि खुले स्थानों पर मांस-मछली की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वहीं, विक्रेताओं के लिए निर्धारित स्थल नहीं होने की समस्या भी सामने आई, जिसे लेकर प्रशासन ने नियमों के अनुरूप दुकान लगाने की बात कही। यह भी कहा कि नियमों का पालन करने वालों की खैर नहीं है। ऐसे लोगों को चिन्हिंत कर कार्रवाई की जाएगी।

फंड आवंटन में लापरवाही पर भवन निर्माण विभाग सख्त, इंजीनियरों को दी चेतावनी

पटना। बिहार में भवन निर्माण विभाग ने योजनाओं के लिए राशि आवंटन में हो रही लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए इंजीनियरों को कड़ी चेतावनी दी है। विभाग ने स्पष्ट कहा कि बिना ठोस जांच और सही अनुशंसा के फंड की कोई भी मांग अब स्वीकार नहीं की जाएगी। हाल ही में विभागीय समीक्षा बैठक में यह सामने आया कि कई प्रमंडलों से निर्माण योजनाओं के लिए अतिरिक्त राशि की मांग बड़े पैमाने पर भेजी जा रही है। जांच में पाया गया कि कई मामलों में अभियंता बिना समुचित जांच-पड़ताल के प्रस्ताव आगे बढ़ा देते हैं और वास्तविक आवश्यकता का सही आंकलन नहीं होता। इससे वित्तीय अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। समीक्षा में यह भी पता चला कि पीआईएमएस (प्रोजेक्ट इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल पर दर्ज सूचनाओं में कई आवश्यक दस्तावेज जैसे अद्यतन फोटोग्राफ, गुणवत्ता जांच रिपोर्ट और कार्य संतुष्टि प्रमाण पत्र अपलोड नहीं किए गए, बावजूद इसके फाइलें आगे बढ़ा दी गईं। अब विभाग ने नई व्यवस्था लागू करते हुए यह अनिवार्य कर दिया है कि फंड की हर मांग के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न किए जाएं और निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति दशार्ने वाली फोटो भी अपलोड की जाए। इसके बाद ही संबंधित योजना के लिए राशि आवंटन पर विचार किया जाएगा।

गोपालगंज डीएम का बड़ा फैसला: फीस बढ़ाने वाले प्राइवेट स्कूल होंगे बंद, पैसा वापस करने का निर्देश

गोपालगंज। बिहार में अब प्राइवेट स्कूलों की मनमानी नहीं चलेगी। गोपालगंज जिले में निजी स्कूलों की मनमानी पर अब प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधिकारी पवन कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में निजी विद्यालय संचालकों के साथ एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें फीस वृद्धि, किताब-पोशाक खरीद, पुनः नामांकन और शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत नामांकन जैसे मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में डीएम ने साफ कहा कि अभिभावकों का आर्थिक शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि जिले के कई निजी विद्यालय बिना किसी निर्धारित प्रक्रिया के मनमाने ढंग से फीस बढ़ा रहे हैं। कई स्कूलों द्वारा वार्षिक शुल्क, पुनः नामांकन शुल्क और अन्य मदों में अतिरिक्त राशि वसूली जा रही थी, जिससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ रहा था। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि बिहार निजी विद्यालय शुल्क विनियमन अधिनियम 2019 के तहत कोई भी विद्यालय 7 प्रतिशत से अधिक फीस वृद्धि नहीं कर सकता। यदि किसी विद्यालय को इससे अधिक फीस बढ़ानी है, तो उसे निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता वाली शुल्क विनियमन समिति से पूर्व स्वीकृति लेनी होगी।

बिहार में मौसम का कहर! बारिश, वज्रपात और तेज हवा का अलर्ट जारी

एजेंसी। पटना

पटना समेत पूरे बिहार में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। मौसम विभाग ने राज्य के अधिकतर हिस्सों में बारिश और वज्रपात की आशंका जताई है। विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक बिहार के विभिन्न जिलों में बादल छाए रहेंगे और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है, खासकर खेतों में काम करने वाले किसानों और खुले स्थानों पर रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। मौसम विभाग ने यह भी बताया है कि शुक्रवार तक राज्य के कई हिस्सों में तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिसके बाद अगले

कुछ दिनों में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं। इस बदलाव से मौसम कभी ठंडा तो कभी गर्म महसूस होगा, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। राज्य के उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-मध्य हिस्सों में मंगलवार को कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा दर्ज की गई थी, जबकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क बना रहा। हालांकि बुधवार को कई जिलों में हुई बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया। बारिश के बाद राजधानी पटना समेत कई इलाकों में लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली और वातावरण सुहावना हो गया। पटना में बुधवार को सुबह से ही बादल छाए रहे और दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं। दोपहर के समय हल्की बूंदाबांदी भी हुई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। राजधानी का अधिकतम तापमान लगभग 29 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से काफी कम रहा। मौसम में आई इस अचानक बदलाव से लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य के कई जिलों में अधिकतम तापमान में 6 डिग्री सेल्सियस से अधिक की गिरावट देखी गई, जबकि कुछ स्थानों पर यह गिरावट 13 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गई। यह स्थिति असामान्य मानी जा रही है, क्योंकि एक ही सप्ताह के भीतर तापमान में इतनी तेजी से बदलाव आमतौर पर कम देखने को मिलता है। शुक्रवार तक पटना, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नवादा, नालंदा, शेखपुरा, जमुई, लखीसराय, मुंगेर, बांका और भागलपुर जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय हवाओं के टकराव के कारण हो रहा है, जिससे बादल बनने और वर्षा की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसके साथ ही तेज हवाओं और वज्रपात की संभावना भी बनी हुई है, इसलिए लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर बिहार का मौसम इन दिनों तेजी से बदल रहा है। कभी बारिश तो कभी धूप के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने और अपडेट पर नजर बनाए रखने की अपील की है।

मुजफ्फरपुर में भीषण सड़क हादसा : पिकअप और बाइक की टक्कर में एक की मौत, दो की हालत

एजेंसी। पटना

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से दर्दनाक सड़क हादसे की खबर आ रही है। जहां अनियंत्रित पिकअप वैन और मोटरसाइकिल के बीच हुई सीधी टक्कर में एक युवक की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में बाइक पर सवार दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गये। जिनकी स्थिति बेहद नाजुक बताई जा रही है। यह भीषण दुर्घटना मुशहरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुजफ्फरपुर-पूसा मार्ग पर स्थित राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र (ठफ्छछ) के मुख्य गेट के पास घटी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक तेज रफ्तार पिकअप वैन, जिस पर राशन लदा हुआ था, सामने से आ रही एक बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और मोटरसाइकिल के पुर्जे सड़क पर दूर-दूर तक बिखर गए। हादसे के वक्त बाइक पर कुल तीन युवक सवार थे। टक्कर लगते ही तीनों सड़क पर जा गिरे, जिनमें से एक युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, अन्य दो युवक लहूलुहान होकर अचेत हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर मुशहरी थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए दोनों घायलों को तत्काल इलाज के लिए मुशहरी पीएचसी (प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) पहुंचाया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए श्री कृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (रङटउऌ) रेफर कर दिया है। पुलिस की कार्रवाईः मुशहरी के थानेदार सुबोध कुमार मेहता ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतक के शव को कब्जे में लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने घटनास्थल से दुर्घटनाग्रस्त बाइक और राशन लदी पिकअप वैन को भी जब्त कर लिया है। अबतक किसी की पहचान नहीं हुई है। थानेदार ने आगे बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार वाहन चालक की तलाश के साथ-साथ अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।